

14357

विक्रय पत्र

विक्रय पत्र अंकन : 2,34,24,185.00 रुपये।

स्टाम्प पेपर : 16,39,800.00 रुपये। CHALLAN NO.

N. 160138/23-X11-20/0

मैं कि अजब सिंह पुत्र श्री काले निवासी ग्राम कचैडा बारसाबाद परगना दादरी
तहसील दादरी व जिला गौतमबुद्ध नगर (फरीक अवल, विक्रेता)।

एवम

मैसर्स उप्पल चददा हाईटेक डवलपर्स प्रा० लि० 33 कम्युनिटी सेंटर न्यू फेन्डस
कालौनी नई दिल्ली द्वारा श्री दीपक पाठक पुत्र श्री अम्बादत्त पाठक 33.
कम्युनिटी सेंटर न्यू फेन्डस कालौनी नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी
(फरीक दायम/क्रेता)।

मि० अजब सिंह



For Uppal Chadda Hi Tech Developers Pvt. Ltd.

[Signature]
Authorised Signatory



नाम विद्वान् श्री रमणीय
 पति श्री रमणीय रमणीय
 निवासी ग्राम लुधियाना जिला पंजाब
 ज्योतिष उत्तम
 पति श्री नानक रमणीय
 निवासी ग्राम
 ज्योतिष उत्तम

*
 महा विद्वान् श्री

23-12-2010

पंजाब

नि० अ० अजय सिंह



पंजाब

पंजाब

साक्षी भवे प्रमाण हेतु हे निम्न
 व्यंगुल निवस्यमान निम्न भवे हे

*
 साक्षी, श्रीमान् लुधियाना

(5) विक्रीत भूमि चक्र आज दिन तक भुझ फरीक अजल (विक्रेता) की ओर से हर प्रकार के बन्धक, भार व सरकारी देनदारी आदि से मुक्त है। कहीं अन्य जगह आड, रहन, बय, हिब, भक्षायदाबय व जमानत सरकारी व अर्द्धसरकारी व निजी रूप आदि में ग्रस्त नहीं है। और न उक्त पर कोई बैंक ऋण व विजली या अन्य किसी प्रकार का ढपूज है। इस विक्रय भूमि से संबंधित किसी भी प्रकार का विवाद-ग्रस्त गामला किसी भी न्यायालय व सरकारी व अर्द्धसरकारी विभाग/कार्यालय में न तो दर्ज है और न ही लम्बित है। और न ही किसी निर्णीत आदेश का क्रियान्वन ही लम्बित है।

(6) विक्रीत भिलियत उक्त के विक्रय में कोई दोष व त्रुटी नहीं है हर प्रकार के वाद विवाद से मुक्त है उपरोक्त वर्णित/अलिखत भूमि के संबंध में भुझ विक्रेता ने किसी अन्य व्यक्ति, कम्पनी आदि के हक में कोई भी लिखक कराए, वसीयतनामा व विक्रय अनुबंध पत्र, विक्रय पत्र, किसी भी कार्यालय में पंजीकृत व अपंजीकृत, मूद में न तो निष्पादित किया है और न ही कराया है तथा न गोपनी द्वारा सत्यापित हुआ है। यदि भविष्य में इस संबंध में कोई भी वसीयतनामा, विक्रय अनुबंध/विक्रय पत्र प्रस्तुत करके विवाद उत्पन्न किया जाता है तो वह विवाद अगान्य व निष्प्रभावी होगा। तथा इसके जिम्मेदार फरीक अजल व उनके वारिसान होंगे।

(7) भुझ विक्रेता को विक्रय पत्र में वर्णित उक्त खाता नं० 526 के खसरा नं० 11 रकबा 0.8930 हैक्टे० का 1/2 भाग यानि 0.4465 है० व खाता नं० 23 के खसरा नं० 85 रकबा 0.6730 है० का सम्पूर्ण भाग व खाता नं० 280 के खसरा नं० 743 रकबा 0.9820 है० का 1/4 भाग यानि 0.2455 व खाता नं० 269 के खसरा नं० 84 रकबा 0.8030 है० का 1/3 भाग यानि 0.267666 है० अर्थात् कुल रकबा 1.632666 है० स्थित ग्राम कवैडा बाराबाद परगना दादरी तहसील व जिला गोंतमबुद्ध नगर के अपने हिस्से पूर्ण भाग को बेचने का स्वतन्त्र अधिकार पूर्णतः प्राप्त है। भुझ विक्रेता को वास्तविकी काश्त एवं अन्य निजी आवश्यकता हेतु पैसों की आवश्यकता है तथा मुझे अपनी उक्त भूमि की उचित कीमत क्रेता से मिल रही है। अतः भुझ विक्रेता ने अपनी खुशी से बिना किसी दबाव व धमकाव

दिनांक 21.07.2015

For Upadhi Chaudhri H. T. G. Chaudhary Pvt. Ltd.

भुझ फरीक अजल



(4)

के. भस्मानंदी, शुद्ध बुद्धि व स्वस्थ इन्द्रियों की दशा में अपने पारिवारिक सहमति से मय रागास्त अधिष्कार भातिकाना, काविकाना, दाखिली-खासिली, काशत भराई, हर किरम कब्जा गर्ज के जो कुछ भी अधिकार भुञ्ज विक्रेता को विक्रीत भूमि से प्राप्त थे उससे कुछ बचा हुआ नहीं रहा है आदि आदि को आज की तारीख में विक्रय धनराशी अंकन 2,34,24,185/- रुपये (दो करोड़ चौतीस लाख चौबीस हजार एक सौ पचासी रुपये मात्र) जिसके आधे अंकन 1,17,12,092.50/- (एक करोड़ सत्रह लाख बारह हजार बानवे रुपये पचास पैसे मात्र) होते हैं के एवज में वसुध फरीक दोगा भेगा उपरोक्त मैसर्स उपल चढ्ढा हार्डटेक डवलपर्स प्रा० लि० 33 कायूनिटी सेंटर न्यू फेन्डस कालौनी नई दिल्ली पैन नंबर AAACCU7200M द्वारा श्री दीपक पाठक पुत्र श्री अम्बादत्त पाठक 33, कम्प्यूनिटी सेंटर न्यू फेन्डस कालौनी नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी को वैध कर दिया है यानि कोई बेत दिया है और भूमि की कुल विक्रय धनराशी भुञ्ज विक्रेता ने क्रेता से प्राप्त कर लिया है। अब कुछ भी विक्रय धनराशी बाकी नहीं रही है।

(8) विक्रय भूमि का कब्जा भौके पर भेगा का पूर्ण वास्तविक रूप से करा दिया है जिसके क्रेता पूर्णतः भातिक काविक दाखिल बन गये हैं उनको रावंधा अधिकार है कि वह उक्त भूमि को जिस प्रकार चाहे बहसियत, मालकाना प्रयोग में लावे।

(9) विक्रेता, विक्रीत भूमि की वास्तव समस्त कामजात में बजहिये बैनमा दाखिल खासिल मालकानात में करकर क्रेता का नाम दर्ज करवायेगा या वो स्वयं दर्ज करवा सकते हैं तथा आवश्यक प्रयत्नों पर जायें चाहे हस्ताक्षर भुञ्ज फरीक अवल से करा सकते हैं, गुड फरीक अवल को कोई एतराज नहीं होगा।

(10) अतः अब विक्रय परताना विक्रीत भूमि की भित्तिकियत भूमि में निहित हित व उसके मूल्य धन तथा किसी अंश से विक्रेता व वासितान विक्रेता का, अब कोई राबध बाकी नहीं रहा और न कमी रहेगा।

(11) विक्रीत भूमि पर आज दिन तक फरीक अवल/विक्रेता की ओर कोई भार निकल आर निकलता हुआ भार क्रेता या स्थानापन को अपने पास से अदा करना

दिनांक 20.01.2024

For Official Use Only: Mr. Tushar Deshpande PwC Ltd.

Signature of Tushar Deshpande





(5)

पडा अथवा विक्रेता के अनाधिकार से या बारिसान विक्रेता की दावेदारी या किसी कानूनी मुद्दा आदि से विक्रय भूमि कुल अथवा कोई अंश क्रेता या उसके बारिसान या स्थानापन के कब्जे गालकाना से निकल जाये, तो हर ऐसी दशा के उत्पन्न होने पर फरीक अवल/विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण पूर्ण रूपसे जिम्मेदार होंगे तथा क्रेता व उसके स्थानापन व उत्तराधिकारीगणों को पूर्ण अधिकार होगा कि अपने पास से अदा किये गये भार की तथा कब्जे से निकल जाने वाली भूमि की धनराशी को गय हर्जो खर्च प्रथम पक्ष विक्रेता व विक्रेता बारिसानकी बल व अवल सम्पत्ति से जिस प्रकार चाहें वसूल करा सकते हैं जिस पर फरीक अवल/विक्रेता को कोई आपत्ति नहीं होगी।

(12) विक्रय पत्र का समस्त खर्चा क्रेता ने वहन किया है।

(13) अतः यह विक्रय पत्र खूब सोच समझ कर, सुनकर पढ कर गवाहों की उपस्थिति में लिख दिया गया कि प्रमाण रहे और समय पर काग आये।

(14) विक्रेता ने विक्रीत भूमि रकबई 1.632666 हैक्टेयर, खाता नं० 526 के खसरा नं० 11 व खाता नंबर 23 के खसरा नं० 65 व खाता नं० 260 के खसरा नं० 743 व खाता नं० 269 के खसरा नं० 84 स्थित ग्राम कचैडा बारासाबाद परगना दादरी तहसील दादरी व जिला गोंतगबुद्ध नगर के निमित्त निम्न विवरण के अनुसार विक्रय धनराशी प्राप्ता कर ली है:-

(15) बैंक ऐक्सस बैंक लि० गाजिआबाद शाखा गाजिआबाद का बैंक नंबर 2633612 अंकन 2,23,69,168/- (दो करोड़ तेईस लाख अठसठ हजार एक सौ अठसठ रुपये मात्र) दिनांकित 23.12.10 तथा शेष धनराशी अंकन 10,56,017/- रु० (दस लाख तेईस हजार सात सौ अठहत्तर रुपये मात्र)नगद

दिनांक 23.12.10



For District Collector, Gajinabad P.W.

Signature





(6)

फरीक अखल द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त कर ली गयी है ।
दिनांक: 23-12-2010

For Upgrad Chaudhary IT Tech Developers Pvt. Ltd.

Authorized Signatory
A. Chaudhary



(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा)
फरीक अखल (विक्रेता)

(हस्ताक्षर/निशानी)
फरीक दोगम



गवाह नं० 1 लतीता s/o शिवाजी
गाम - बन्नेडा वाडगाव
जिला - मी. बुधनगर

गवाह नं० 2 जगत s/o नाना
गाम - बन्नेडा वाडगाव
जिला - मी. बुधनगर

तहरीरी दिनांक: 23-12-2010 मसीदा तेजेन्द्र सिंह एडवोकेट भविष्याबाद



तारीख 23/12/10
 प्रति पुस्तक संख्या
 के पुस्तक संख्या 153
 पर कम संख्या 14357
 निम्नलिखित दिनांक

का मूल्य रु 3068

उप निबन्धन
 की



रु. 1435)

भारतीय धर न्यायिक



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

11AA 786295

Stamp duty paid in cash certificate in favour of-M/S UPPAL CHAUDHA
HI-TECH DEVELOPERS PVT.LTD,33,COMMUNITY CENTRE,NEW
FRIENDS COLONY, NEW DELHI

In pursuance of the order of the collector
NO...memo....dated 23.12.10 passed under
Section 10-A of the stamp act. It is certified that an
amount of Rs. 16,39,800-00(In words Rs. Sixteen lacs thirty nine thousand-
eight hundred only)

has been paid in cash as stamp duty in respect
of this instrument in the State bank of India/
Treasury/Sub treasury ...NCT/DA

By Challan No...N160138, dated.23.12.10

A copy of which is annexed herewith.

23/12

BRP

Dated 20/10

Senior Treasury Officer

Gautam Buda Nagar

पत्र क्रमांक : 71020116093

जनपद : गौतमबुद्धनगर

ग्राम का नाम : कटैया बगरमावा

कसबो वर्ष : 1409-1414

परगना : दादरी

भाग : 1

तहसील : दादरी

आम प्राप्तियों का वर्ष	आमदार का नाम	पिता / पति / भ्राता का नाम	निवास स्थान	भूमि अधिकार प्राप्त होने का फसल वर्ष	आमदार के प्रत्येक गाँव की फसल (हे.)	प्रत्येक गाँव का क्षेत्रफल (हे.)	आमदार का दाय मालगुजारी का लगान	परिवर्तन सम्बन्धी जमा या उम्मा नाम उसकी संख्या तथा विवरण सहित जो आमदार कावे अधिकारी का दाय
1	2-अ	भूमि जो मजदूरी के धर्मिक के अधिकार में हो।	3	4	5	6	7-12	

09526

जमीने

सुपरी

दि माग

रु 1402क

11

0.8530

1411 का यह काम नामांकन दि. 23/10/31 11.00
संक्रमण के भूमि पर आने के लिए दि. 23/10/31
के पत्र नं 11 के पत्र 0.8530 का क्षेत्र 45.12 है जो
1/2 भाग में बंटे हुए क्षेत्र के लिए दि. 23/10/31
का काम आने के लिए दि. 23/10/31
नाम के लिए दि. 23/10/31 के क्षेत्र 0.8530 का क्षेत्र
है जो 1.25 11.00
आमदार के लिए दि. 23/10/31 के क्षेत्र 1.25 11.00
को आने के लिए दि. 23/10/31 के क्षेत्र 1.25 11.00
के लिए दि. 23/10/31 के क्षेत्र 1.25 11.00
के लिए दि. 23/10/31 के क्षेत्र 1.25 11.00
के लिए दि. 23/10/31 के क्षेत्र 1.25 11.00

कुल क्षेत्र : 1 कुल क्षेत्र : 0.8530 46 13

1. 71028116093 ग्राम का नाम : कचोडा वातसहाइ पन्ना : दादरा तहसील : दादरा
 2. गौतममुद्दनगर फसली वर्ष : 1409-1414 भाग : 1

धान्य का नाम	विवरण / प्रति / संस्थान का नाम	विपक्ष स्थान	भौतिक अधिकार प्रमाण होने का फसली वर्ष	कागज के प्रत्येक शीट की जांच का संख्या	प्रत्येक शीट का क्षेत्रफल (हे.)	खानेदार क्षेत्र क्षेत्र माप जमीनी या मालिक	परिचालन कागजों का प्रमाण या उक्त का संख्या उनकी शीटों तथा दिनांक सही और जमा देने वाले अधिकारी का पत्र	टिप्पणी
			3	4	5	6	7 & 8	9
1-क	भूमि का सक्तीय भूमिपति के अधिकार में हो।							
2-क	काले सिंह	नि. पत्र	1401	85	0.6730	✓		
			कुल शीट	1	कुल क्षेत्र	0.6730	33.00	

हस्ताक्षर

उद्धरण खतौनी

ग्राम क्रमांक : 71020116093

ग्राम का नाम : कपड़ेवा बावसाबाद

परगना : दादरी

तहसील : दादरी

जनपद : गौतमबुद्धनगर

फसली वर्ष : 1409-1414

29495

भाग : 1

खता खतौनी क्रम संख्या	खतौदार का नाम	पिता / पति / संरक्षक का नाम	निवास स्थान	भौतिक अधिकार प्रारम्भ होने का फसली वर्ष	खतौ के प्रत्येक पाटे की खसरा संख्या	प्रत्येक पाटे का क्षेत्रफल (हे.)	खतौदार कात वेंच मालगुजारी या लगान	परिचरित सम्बन्धी आदेशों या वसूली संशोधन उत्तरों संख्या तथा दिनांक सहित और आज्ञा देने वाले अधिकारी का पद	टिप्पणी

श्रेणी : I-क भूमि जो संक्रमणीय भूमिधरों के अधिकार में हो।

00269	पीतम सिंह	रतन सिंह 1/3	नि. ग्राम	पू.1402	84 ✓	0.8030			
	रिखपाल सिंह	रतन सिंह 1/3	नि. ग्राम	पू.1402	235 ✓	0.7850 X			
	बलजीत सिंह	रतोराम 1/3	नि. ग्राम	पू.1402	417 X	0.0630 X			
	राम कुमार	रतोराम 1/3	नि. ग्राम	पू.1402	1228क ✓	0.0250 X			
				पू.1402	1246क X	0.0510 Y			

1412 फ. आदेशानुसार श्री यान N.T महोदय मि.न.
275/4.9.04 को आदेश हुआ कि खा.स.269 के ख.न.
84 के रकबा 0.803 लगान 32.70पैसे के 1/3 भाग
बख्तर अपना से विक्रेता बलजीत सिंह राजकुमार
पूत्राण रतिराम नि.प्रा. के स्थान पर क्रेता अजब सिंह
पूष स्व. काले सिंह का नाम कतौर बैनामा 430000 रु.
दर्ज हो.

ह.अ.ले.24-9-04

1412 फ. आदेशानुसार श्री यान N.T महोदय
पि.न.274/4.9.04 को आदेश हुआ कि खा.स.269 के
ख.न.235 के रकबा 0.785 लगान 32.55पैसे का
1/6 अपना सम्पूर्ण भाग से विक्रेता
राजकुमारपूत्राण रतिराम नि.प्रा. के स्थान पर
क्रेता बलजीत सिंह पूष रतोराम नि.प्रा. का नाम
कतौर बैनामा 210000 रु. दर्ज हो

ह.अ.ले.24-9-04

आदेशानुसार श्रीमान सह.न्यायिक महोदय मि.न.94/13-1-
को आदेश हुआ कि खा.स.269 के ख.न.235/0.785 हे.
का 1/3 भाग 0.2616 हे. से विक्रेता बलजीत सिंह पूत्र रतोराम
नि.ग्राम का नाम खारिज करके क्रेता मे. तपल
चट्टा हाई टेकडेयलपर्स प्रा.लि. द्वारा राकेश
उषाल पूत्र राजमोहन उषाल नि.ए-334 शिवालयिक नई
दिल्ली का नाम कतौर बैनामा दर्ज हो। ह.स.त.का

9/10/20

16093

उद्देश्य खतीना

जनपद : गौतमसुन्दरनगर

ग्राम का नाम : कचेडा वारसाचद

परामना : दादरी

तहसील : दादरी

कसती वर्ष : 1409-1414 32024

भाग : 1

नवाला खतीना का नाम

पिता / पति /
संरक्षक का नाम

निवास स्थान

भौतिक अधिकार
प्राप्त होने का
फसली वर्षखाने के प्रत्येक गटे
की छसरा संख्याप्रत्येक गटे
का क्षेत्रफल
(हे.)खानेदार
का वंश
मालगुजारी
या लगानपरिवर्तन सम्बन्धी आश्रय या उपका-
र वकी संख्या तथा दिनांक सहित
आश्रय देने
वाले अधिकारी का पद

श्रेणी : I-क भूमि जो संकमणीय भूमिधर्त के अधिकार में हो।

3

4

5

6

7-12

00280

परमल सिंह
नवाब सिंह
आजद सिंह
राजधरनपरमल सिंह
परमल सिंह
परमल सिंह
हरपालनि. शान
नि. ग्राम
नि. ग्राम
नि. ग्राम

पू. 1402

743

0.9820

1410फ.आदेशानुसार श्रीमान न्यायिक तहसीलदार
मि.न.192/20.2.03 को आदेश हुआ कि शाना सं.
280 के छसरा सं.743/0.982 मा.44.70 के
अधने बकदर भाग से विक्रेता परमल सिंह पुत्र
परमल सिंह ग्रामवासी का नाम खारिज करके केना
अजय सिंह पुत्र काले सिंह ग्रामवासी का नाम बजरीय
बेनीमा अकन 3450/10
दजे हो। ह.ले.25.2.03
आदेशानुसार श्रीमान तह.न्यायिक मि.न. 511/7-7-2006
को आदेश हुआ कि खा.स 280 के छ.न. 743/0.9820
हे. का 1/2भाग 0.4910हे. से विक्रेता नवाब सिंह व
आजद सिंह पुत्रगण स्व. परमल नि.शान का मग खारिज
करके केना मे. एच.ए.पी. बिल्डकान प्रा.लि.गं.दे.ना.सं.
38-गोविन्दगण्ड विर्यक विहार दिल्ली द्वारा रोहित शर्मा
पुत्र जे.आर.शर्मा नि. 6ए. शिवा खनसिटी गा.बस का
नग बतौर बेनामा दजे हो। ह.स.र.का. 19-10-2006
टिप्पणी-भारत सरकार की अधिसूचनासं.971
दि.2-4-07 के अनुसार छ.न. 743/0.1440हे.ने
प्रमाणित पावप लाईन हालनेहेतु उपयोग कर
अधिकार इंडियन आयल को.लि.मौजिल कर दिया
गया है। ह.र.का.8-7-08/फौड4-9-2008

कुल गटे : 1 कुल क्षेत्र : 0.9820 47.70

सेवा में,

शाखा प्रबन्धक

एच. एन. सी. प्र.

रहस्यीय

२३१

विशेष : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) के सम्बन्ध में

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका
छाता संख्या 26.280 छाया नम्बर 111/112/113/114/115/116/117/118/119/120/121/122/123/124/125/126/127/128/129/130/131/132/133/134/135/136/137/138/139/140/141/142/143/144/145/146/147/148/149/150/151/152/153/154/155/156/157/158/159/160/161/162/163/164/165/166/167/168/169/170/171/172/173/174/175/176/177/178/179/180/181/182/183/184/185/186/187/188/189/190/191/192/193/194/195/196/197/198/199/200/201/202/203/204/205/206/207/208/209/210/211/212/213/214/215/216/217/218/219/220/221/222/223/224/225/226/227/228/229/230/231/232/233/234/235/236/237/238/239/240/241/242/243/244/245/246/247/248/249/250/251/252/253/254/255/256/257/258/259/260/261/262/263/264/265/266/267/268/269/270/271/272/273/274/275/276/277/278/279/280/281/282/283/284/285/286/287/288/289/290/291/292/293/294/295/296/297/298/299/300/301/302/303/304/305/306/307/308/309/310/311/312/313/314/315/316/317/318/319/320/321/322/323/324/325/326/327/328/329/330/331/332/333/334/335/336/337/338/339/340/341/342/343/344/345/346/347/348/349/350/351/352/353/354/355/356/357/358/359/360/361/362/363/364/365/366/367/368/369/370/371/372/373/374/375/376/377/378/379/380/381/382/383/384/385/386/387/388/389/390/391/392/393/394/395/396/397/398/399/400/401/402/403/404/405/406/407/408/409/410/411/412/413/414/415/416/417/418/419/420/421/422/423/424/425/426/427/428/429/430/431/432/433/434/435/436/437/438/439/440/441/442/443/444/445/446/447/448/449/450/451/452/453/454/455/456/457/458/459/460/461/462/463/464/465/466/467/468/469/470/471/472/473/474/475/476/477/478/479/480/481/482/483/484/485/486/487/488/489/490/491/492/493/494/495/496/497/498/499/500/501/502/503/504/505/506/507/508/509/510/511/512/513/514/515/516/517/518/519/520/521/522/523/524/525/526/527/528/529/530/531/532/533/534/535/536/537/538/539/540/541/542/543/544/545/546/547/548/549/550/551/552/553/554/555/556/557/558/559/560/561/562/563/564/565/566/567/568/569/570/571/572/573/574/575/576/577/578/579/580/581/582/583/584/585/586/587/588/589/590/591/592/593/594/595/596/597/598/599/600/601/602/603/604/605/606/607/608/609/610/611/612/613/614/615/616/617/618/619/620/621/622/623/624/625/626/627/628/629/630/631/632/633/634/635/636/637/638/639/640/641/642/643/644/645/646/647/648/649/650/651/652/653/654/655/656/657/658/659/660/661/662/663/664/665/666/667/668/669/670/671/672/673/674/675/676/677/678/679/680/681/682/683/684/685/686/687/688/689/690/691/692/693/694/695/696/697/698/699/700/701/702/703/704/705/706/707/708/709/710/711/712/713/714/715/716/717/718/719/720/721/722/723/724/725/726/727/728/729/730/731/732/733/734/735/736/737/738/739/740/741/742/743/744/745/746/747/748/749/750/751/752/753/754/755/756/757/758/759/760/761/762/763/764/765/766/767/768/769/770/771/772/773/774/775/776/777/778/779/780/781/782/783/784/785/786/787/788/789/790/791/792/793/794/795/796/797/798/799/800/801/802/803/804/805/806/807/808/809/810/811/812/813/814/815/816/817/818/819/820/821/822/823/824/825/826/827/828/829/830/831/832/833/834/835/836/837/838/839/840/841/842/843/844/845/846/847/848/849/850/851/852/853/854/855/856/857/858/859/860/861/862/863/864/865/866/867/868/869/870/871/872/873/874/875/876/877/878/879/880/881/882/883/884/885/886/887/888/889/890/891/892/893/894/895/896/897/898/899/900/901/902/903/904/905/906/907/908/909/910/911/912/913/914/915/916/917/918/919/920/921/922/923/924/925/926/927/928/929/930/931/932/933/934/935/936/937/938/939/940/941/942/943/944/945/946/947/948/949/950/951/952/953/954/955/956/957/958/959/960/961/962/963/964/965/966/967/968/969/970/971/972/973/974/975/976/977/978/979/980/981/982/983/984/985/986/987/988/989/990/991/992/993/994/995/996/997/998/999/1000/1001/1002/1003/1004/1005/1006/1007/1008/1009/1010/1011/1012/1013/1014/1015/1016/1017/1018/1019/1020/1021/1022/1023/1024/1025/1026/1027/1028/1029/1030/1031/1032/1033/1034/1035/1036/1037/1038/1039/1040/1041/1042/1043/1044/1045/1046/1047/1048/1049/1050/1051/1052/1053/1054/1055/1056/1057/1058/1059/1060/1061/1062/1063/1064/1065/1066/1067/1068/1069/1070/1071/1072/1073/1074/1075/1076/1077/1078/1079/1080/1081/1082/1083/1084/1085/1086/1087/1088/1089/1090/1091/1092/1093/1094/1095/1096/1097/1098/1099/1100/1101/1102/1103/1104/1105/1106/1107/1108/1109/1110/1111/1112/1113/1114/1115/1116/1117/1118/1119/1120/1121/1122/1123/1124/1125/1126/1127/1128/1129/1130/1131/1132/1133/1134/1135/1136/1137/1138/1139/1140/1141/1142/1143/1144/1145/1146/1147/1148/1149/1150/1151/1152/1153/1154/1155/1156/1157/1158/1159/1160/1161/1162/1163/1164/1165/1166/1167/1168/1169/1170/1171/1172/1173/1174/1175/1176/1177/1178/1179/1180/1181/1182/1183/1184/1185/1186/1187/1188/1189/1190/1191/1192/1193/1194/1195/1196/1197/1198/1199/1200/1201/1202/1203/1204/1205/1206/1207/1208/1209/1210/1211/1212/1213/1214/1215/1216/1217/1218/1219/1220/1221/1222/1223/1224/1225/1226/1227/1228/1229/1230/1231/1232/1233/1234/1235/1236/1237/1238/1239/1240/1241/1242/1243/1244/1245/1246/1247/1248/1249/1250/1251/1252/1253/1254/1255/1256/1257/1258/1259/1260/1261/1262/1263/1264/1265/1266/1267/1268/1269/1270/1271/1272/1273/1274/1275/1276/1277/1278/1279/1280/1281/1282/1283/1284/1285/1286/1287/1288/1289/1290/1291/1292/1293/1294/1295/1296/1297/1298/1299/1300/1301/1302/1303/1304/1305/1306/1307/1308/1309/1310/1311/1312/1313/1314/1315/1316/1317/1318/1319/1320/1321/1322/1323/1324/1325/1326/1327/1328/1329/1330/1331/1332/1333/1334/1335/1336/1337/1338/1339/1340/1341/1342/1343/1344/1345/1346/1347/1348/1349/1350/1351/1352/1353/1354/1355/1356/1357/1358/1359/1360/1361/1362/1363/1364/1365/1366/1367/1368/1369/1370/1371/1372/1373/1374/1375/1376/1377/1378/1379/1380/1381/1382/1383/1384/1385/1386/1387/1388/1389/1390/1391/1392/1393/1394/1395/1396/1397/1398/1399/1400/1401/1402/1403/1404/1405/1406/1407/1408/1409/1410/1411/1412/1413/1414/1415/1416/1417/1418/1419/1420/1421/1422/1423/1424/1425/1426/1427/1428/1429/1430/1431/1432/1433/1434/1435/1436/1437/1438/1439/1440/1441/1442/1443/1444/1445/1446/1447/1448/1449/1450/1451/1452/1453/1454/1455/1456/1457/1458/1459/1460/1461/1462/1463/1464/1465/1466/1467/1468/1469/1470/1471/1472/1473/1474/1475/1476/1477/1478/1479/1480/1481/1482/1483/1484/1485/1486/1487/1488/1489/1490/1491/1492/1493/1494/1495/1496/1497/1498/1499/1500/1501/1502/1503/1504/1505/1506/1507/1508/1509/1510/1511/1512/1513/1514/1515/1516/1517/1518/1519/1520/1521/1522/1523/1524/1525/1526/1527/1528/1529/1530/1531/1532/1533/1534/1535/1536/1537/1538/1539/1540/1541/1542/1543/1544/1545/1546/1547/1548/1549/1550/1551/1552/1553/1554/1555/1556/1557/1558/1559/1560/1561/1562/1563/1564/1565/1566/1567/1568/1569/1570/1571/1572/1573/1574/1575/1576/1577/1578/1579/1580/1581/1582/1583/1584/1585/1586/1587/1588/1589/1590/1591/1592/1593/1594/1595/1596/1597/1598/1599/1600/1601/1602/1603/1604/1605/1606/1607/1608/1609/1610/1611/1612/1613/1614/1615/1616/1617/1618/1619/1620/1621/1622/1623/1624/1625/1626/1627/1628/1629/1630/1631/1632/1633/1634/1635/1636/1637/1638/1639/1640/1641/1642/1643/1644/1645/1646/1647/1648/1649/1650/1651/1652/1653/1654/1655/1656/1657/1658/1659/1660/1661/1662/1663/1664/1665/1666/1667/1668/1669/1670/1671/1672/1673/1674/1675/1676/1677/1678/1679/1680/1681/1682/1683/1684/1685/1686/1687/1688/1689/1690/1691/1692/1693/1694/1695/1696/1697/1698/1699/1700/1701/1702/1703/1704/1705/1706/1707/1708/1709/1710/1711/1712/1713/1714/1715/1716/1717/1718/1719/1720/1721/1722/1723/1724/1725/1726/1727/1728/1729/1730/1731/1732/1733/1734/1735/1736/1737/1738/1739/1740/1741/1742/1743/1744/1745/1746/1747/1748/1749/1750/1751/1752/1753/1754/1755/1756/1757/1758/1759/1760/1761/1762/1763/1764/1765/1766/1767/1768/1769/1770/1771/1772/1773/1774/1775/1776/1777/1778/1779/1780/1781/1782/1783/1784/1785/1786/1787/1788/1789/1790/1791/1792/1793/1794/1795/1796/1797/1798/1799/1800/1801/1802/1803/1804/1805/1806/1807/1808/1809/1810/1811/1812/1813/1814/1815/1816/1817/1818/1819/1820/1821/1822/1823/1824/1825/1826/1827/1828/1829/1830/1831/1832/1833/1834/1835/1836/1837/1838/1839/1840/1841/1842/1843/1844/1845/1846/1847/1848/1849/1850/1851/1852/1853/1854/1855/1856/1857/1858/1859/1860/1861/1862/1863/1864/1865/1866/1867/1868/1869/1870/1871/1872/1873/1874/1875/1876/1877/1878/1879/1880/1881/1882/1883/1884/1885/1886/1887/1888/1889/1890/1891/1892/1893/1894/1895/1896/1897/1898/1899/1900/1901/1902/1903/1904/1905/1906/1907/1908/1909/1910/1911/1912/1913/1914/1915/1916/1917/1918/1919/1920/1921/1922/1923/1924/1925/1926/1927/1928/1929/1930/1931/1932/1933/1934/1935/1936/1937/1938/1939/1940/1941/1942/1943/1944/1945/1946/1947/1948/1949/1950/1951/1952/1953/1954/1955/1956/1957/1958/1959/1960/1961/1962/1963/1964/1965/1966/1967/1968/1969/1970/1971/1972/1973/1974/1975/1976/1977/1978/1979/1980/1981/1982/1983/1984/1985/1986/1987/1988/1989/1990/1991/1992/1993/1994/1995/1996/1997/1998/1999/2000/2001/2002/2003/2004/2005/2006/2007/2008/2009/2010/2011/2012/2013/2014/2015/2016/2017/2018/2019/2020/2021/2022/2023/2024/2025/2026/2027/2028/2029/2030/2031/2032/2033/2034/2035/2036/2037/2038/2039/2040/2041/2042/2043/2044/2045/2046/2047/2048/2049/2050/2051/2052/2053/2054/2055/2056/2057/2058/2059/2060/2061/2062/2063/2064/2065/2066/2067/2068/2069/2070/2071/2072/2073/2074/2075/2076/2077/2078/2079/2080/2081/2082/2083/2084/2085/2086/2087/2088/2089/2090/2091/2092/2093/2094/2095/2096/2097/2098/2099/2100/2101/2102/2103/2104/2105/2106/2107/2108/2109/2110/2111/2112/2113/2114/2115/2116/2117/2118/2119/2120/2121/2122/2123/2124/2125/2126/2127/2128/2129/2130/2131/2132/2133/2134/2135/2136/2137/2138/2139/2140/2141/2142/2143/2144/2145/2146/2147/2148/2149/2150/2151/2152/2153/2154/2155/2156/2157/2158/2159/2160/2161/2162/2163/2164/2165/2166/2167/2168/2169/2170/2171/2172/2173/2174/2175/2176/2177/2178/2179/2180/2181/2182/2183/2184/2185/2186/2187/2188/2189/2190/2191/2192/2193/2194/2195/2196/2197/2198/2199/2200/2201/2202/2203/2204/2205/2206/2207/2208/2209/2210/2211/2212/2213/2214/2215/2216/2217/2218/2219/2220/2221/2222/2223/2224/2225/2226/2227/2228/2229/2230/2231/2232/2233/2234/2235/2236/2237/2238/2239/2240/2241/2242/2243/2244/2245/2246/2247/2248/2249/2250/2251/2252/2253/2254/2255/2256/2257/2258/2259/2260/2261/2262/2263/2264/2265/2266/2267/2268/2269/2270/2271/2272/2273/2274/2275/2276/2277/2278/2279/2280/2281/2282/2283/2284/2285/2286/2287/2288/2289/2290/2291/2292/2293/2294/2295/2296/2297/2298/2299/2300/2301/2302/2303/2304/2305/2306/2307/2308/2309/2310/2311/2312/2313/2314/2315/2316/2317/2318/2319/2320/2321/2322/2323/2324/2325/2326/2327/2328/2329/2330/2331/2332/2333/2334/2335/2336/2337/2338/2339/2340/2341/2342/2343/2344/2345/2346/2347/2348/2349/2350/2351/2352/2353/2354/2355/2356/2357/2358/2359/2360/2361/2362/2363/2364/2365/2366/2367/2368/2369/2370/2371/2372/2373/2374/2375/2376/2377/2378/2379/2380/2381/2382/2383/2384/2385/2386/2387/2388/2389/2390/2391/2392/2393/2394/2395/2396/2397/2398/2399/2400/2401/2402/2403/2404/2405/2406/2407/2408/2409/2410/2411/2412/2413/2414/2415/2416/2417/2418/2419/2420/2421/2422/2423/2424/2425/2426/2427/2428/2429/2430/2431/2432/2433/2434/2435/2436/2437/2438/2439/2440/2441/2442/2443/2444/2445/2446/2447/2448/2449/2450/2451/2452/2453/2454/2455/2456/2457/2458/2459/2460/2461/2462/2463/2464/2465/2466/2467/2468/2469/2470/2471/2472/2473/2474/2475/2476/2477/2478/2479/2480/2481/2482/2483/2484/2485/2486/2487/2488/2489/2490/2491/2492/2493/2494/2495/2496/2497/2498/2499/2500/2501/2502/2503/2504/2505/2506/2507/2508/2509/2510/2511/2512/2513/2514/2515/2516/2517/2518/2519/2520/2521/2522/2523/2524/2525/2526/2527/2528/2529/2530/2531/2532/2533/2534/2535/2536/2537/2538/2539/2540/2541/2542/2543/2544/2545/2546/2547/2548/2549/2550/2551/2552/2553/2554/2555/2556/2557/2558/2559/2560/2561/2562/2563/2564/2565/2566/2567/2568/2569/2570/2571/2572/2573/2574/2575/2576/2577/2578/2579/2580/2581/2582/2583/2584/2585/2586/2587/2588/2589/2590/2591/2592/2593/2594/2595/2596/2597/2598/2599/2600/2601/2602/2603/2604/2605/2606/2607/2608/2609/2610/2611/2612/2613/2614/2615/2616/2617/2618/2619/2620/2621/2622/2623/2624/2625/2626/2627/2628/2629/2630/2631/2632/2633/2634/2635/2636/2637/2638/2639/2640/2641/2642/2643/2644/2645/2646/2647/2648/2649/2650/2651/2652/2653/2654/2655/2656/2657/2658/2659/2660/2661/2662/2663/2664/2665/2666/2667/2668/2669/2670/2671/2672/2673/2674/2675/2676/2677/2678/2679/2680/2681/2682/2683/2684/2685/2686/2687/2688/2689/2

श्रीवा भू,

शाखा प्रत्यक्ष

श्रीवा भूवा भूवा भूवा भूवा
श्रीवा भूवा भूवा भूवा भूवा

विशय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) के सम्बन्ध में

प्रत्यक्ष

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जितका
वाता संख्या ५२६, २९० खसरा नम्बर ॥ ६५५॥ का
परगना दाखिल व तहसील दाखिल किया प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) की
को देयता है। इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) की
आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई अण नहीं है।
अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०)
प्रदान करने की कृपा करें।

अन्यथाद ।

प्रार्थी

श्रीवा भूवा भूवा भूवा भूवा

श्रीवा भूवा भूवा भूवा भूवा





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AL 444113

अनुबन्ध पत्र

यह अनुबन्ध पत्र आज दिनांक रथान गाजियाबाद में श्री. राजेश मिश्रा

निवासी ग्राम परगना तहसील
व जिला पुत्र/पति का

..... एवं प्रथम पक्ष

हैं मैं उषल वंदन। आईटक रुवलपरी प्रा० लि० पंजीकृत कार्यालय 33 कम्प्यूनिटी
सेक्टर न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी नई दिल्ली द्वारा पुत्र

द्वितीय पक्ष

विदित हो कि प्रथम पक्ष ग्राम परगना व तहसील
जिला में स्थित भूमि रथाता सं० खसरा सं०

संक्रमणीय भूमिधार गालिक, काबिज है। राजपत्रों में उक्त भूमि पर प्रथम पक्ष का नाम
दर्ज है कोई अन्य व्यक्ति उक्त भूमि में किसी प्रकार का हकदार व हिस्सेदार नहीं
है। उक्त भूमि पर अधिभाजित परिवार का या कोई अन्य पारिवारिक वाद विवाद या
कोई फ़ैसला नहीं चल रहा है।



प्रथम पक्ष की उक्त भूमि आज की तारीख तक हर प्रकार के कर्ज सरकारी व गैर सरकारी आदि से पाक व साफ है।

यह कि प्रथम पक्ष आज दिनांक को अपनी उक्त भूमि को द्वितीय पक्ष के पक्ष में विक्रय कर दिया है। जोकि सब रजिस्ट्रार दादरी कम्पाउन्स में बही सं० 1 के पुस्तक सं०..... पृष्ठ..... पर क्रम सं० पर दर्ज है।

प्रथम पक्ष उक्त विक्रय के फलस्वरूप सम्पूर्ण प्रतिकूल की धनराशि द्वितीय पक्ष से प्राप्त कर लिये है। यह है कि प्रथम पक्ष को प्रतिकूल धनराशि के अलावा उसके सम्पूर्ण हिस्से पर 400 रुपए प्रति वर्गज के हिसाब से रु०..... /— द्वारा बैंक नं०..... दिनांक बैंक..... द्वितीय पक्ष द्वारा दिया जा रहा है जिसके फलस्वरूप निम्नलिखित शर्तों की पाबन्दी दोनों पक्षों व उनके गारिसान पर रहेगी।

1. यह कि विक्रीत भूमि की निर्धारित मूल्य धनराशि अंकन..... रुपए व उक्त भूमि पर उत्पन्न अन्य किसी भी अनुतोष लाभ या पुनर्वास हेतु आवंटित प्लॉट की एवज में प्राप्त होने वाली धनराशि रु. 400 प्रति गज के हिसाब से निर्धारित धनराशि..... दोनों पक्षों को भान्य है।
2. यह कि प्रथम पक्ष मौके पर कब्जा द्वितीय पक्ष को करा दिया है।
3. यह कि विक्रीत भूमि पर प्रथम पक्ष का कोई भी हक या अधिकार शेष नहीं रहा समस्त अधिकार द्वितीय पक्ष को प्राप्त हो गये है।
4. यह कि उक्त भूमि के सम्बन्ध में पुनर्वास योजना के तहत यदि भविष्य में किसी भी प्रकार के मूखण्डों का वितरण शासन या किसी निकाय द्वारा किया जाता है तो उस पर प्रथम पक्ष को कोई अधिकार नहीं होगा। समस्त अधिकार द्वितीय पक्ष के होंगे। इन अधिकारों के अंतरण हेतु प्रथम पक्ष ने द्वितीय पक्ष से रु..... द्वारा बैंक सं०..... दिनांक..... बैंक से प्राप्त कर लिये है।

5. यह कि प्रथम पक्ष का विक्रय के फलस्वरूप उक्त भूमि पर लगी फसल, नलकूप या किसी भी परिसम्पत्ति पर कोई अधिकार नहीं होगा।



अतः यह अनुबन्ध पत्र लिख दिया है ताकि भविष्य में काम आवे ।



प्रथम पक्ष

द्वितीय पक्ष

गवाह

1.

2.